भारतीय मौसम सोसायटी कार्यालय, नई दिल्ली

विषय :- मौसम केन्द्र रायपुर में विश्व मौसम दिवस का आयोजन।

सन्दर्भ :- आपका ईमेल पत्र दिनांक 19 मार्च 2017।

लालपुर स्थित मौसम कार्यालय में विश्व मौसम दिवस 2017 के आयोजन के तहत गुरूवार दिनाँक 23 मार्च 2017 को भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय मौसम सोसायटी रायपुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि छत्तीसगढ काउंसिल आफ साईंस एंड टेक्नालाजी के महानिदेशक डा. एम एम हम्बर्डे एवं मंच पर उपस्थित अन्य विशिष्ट जन द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा एम एम हम्बर्डे ने भवनों के वास्तुकला में मौसम तत्वों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तापमान, वर्षा, आर्द्रता का प्रभाव वास्तुकला की योजना में महत्वपूर्ण योगदान रहता है ।

इससे पूर्व भारतीय मौसम सोसायटी रायपुर शाखा के अध्यक्ष व मौसम केन्द्र रायपुर के निदेशक डा प्रकाश खरे द्व्वारा उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि वर्ष 1873 में गठित अंतर्राष्ट्रीय मौसम संगठन का विश्व मौसम संगठन के रूप में पुनर्गठन 23 मार्च 1950 को किया गया था। वर्ष 1951 में इसे यूनाईटेड नेशंस का विशिष्ठ संगठन के रूप में स्वीकृत किया गया। तत्पश्चात 23 मार्च को प्रतिवर्ष विश्व मौसम दिवस का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष विश्व मौसम दिवस 2017 का विषय "बादलों पर निगाह" पर विभिन्न बदलों के बारे में विस्तार से बताते हुए क्युमुलोनिम्बस (कपासी वर्षी) नामक बादल से गरज-चमक, आंधी आदि चलने से होने वाली आपदाजनित घटनाओं की जानकारी प्रदान की गई । इसके साथ ही 'नाउकस्टिंग की उपयोगिता' विषय पर अपने जनोपयोगी वैज्ञानिकी व्याख्यान मे डा खरे द्वारा रेडार प्रेक्षणों से 6 घण्टों की अवधि के लिये गरज-चमक सम्बन्धी पूर्वानुमान के मौसम सेवाओं मे शामिल किये जाने की जानकारी दी। इसके अलावा डा. खरे ने अगामी ग्रीष्म काल में चलने वाली उष्ण-लहर तथा उससे बचाव के लिये मौसम विभाग व छत्तीसगढ शासन द्वारा उठाये जाने वाली नये विशिष्ठ कदमों की जानकारी दी।

भारतीय मौसम सोसायटी रायपुर शाखा के सचिव व भिलाई इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी रायपुर के प्राचार्य डा पीयुषकांत पांडे द्वारा अपने स्वागत भाषण में मानसून को एक ग्लोबल घटना होने तथा मानसूनी हवाओं की उत्पत्ति अंटार्कटिका से होने से लेकर आस्ट्रेलिया होते हुए दक्षिण अफ्रीका से टकराकर भारत की ओर रूख करने की जानकारी दी गई। विश्व मौसम दिवस का विषय 'बादलों पर निगाह" के सन्दर्भ में उन्होने विभिन्न बादलों का अलग – अलग मौसम से सम्बन्धित घटनाओं की जानकारी दी। उन्होने मौसम सम्बन्धी सेवाओं के प्रसार – प्रसार में मौसम सोसायटी का महत्वपूर्ण योगदान होने के साथ ही वैज्ञानिक समुदाय के विद्वानों को अधिक से अधिक संख्या में इस मुहिम में शामिल होने का भी अव्हान किया।

शुभारम्भ समारोह के समापन के अवसर पर संयुक्त सचिव व इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा जे एल चौधरी ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अन्य कार्यक्रमों के तहत विभिन्न कालेजों से मौसम क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को शुभाकमनायें दी।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कृषि मौसम अनुभाग के प्रमुख डा जी के दास के अलावा जल संसाधन विभाग के अधिकारीगण श्री दानी, श्री जयंत दास, श्री उत्तम गवाडे, मौसम केन्द्र रायपुर के अधिकारियों, कर्मचारियों के अलावा भारतीय मौसम सोसायटी रायपुर शाखा के अन्य सदस्य शामिल रहे।

इस अवसर पर मौसम केन्द्र द्वारा मौसम सम्बन्धी उपकरणों, प्रेक्षणों तथा पूर्वानुमानों की जानकारी के हेतु उपकरणों व विभिन्न प्रकार के बादलों के चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई जिसका सभी आगंतुकों ने अवलोकन किया। इसके साथ ही विभिन्न तकनीकी व कृषि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के मध्य मौसम विज्ञान सम्बन्धी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। क्विज प्रतियोगिता विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं :-

प्रथम पुरस्कार - बी आई टी रायपुर के अनुज प्रसाद, रूपांश जैन और यश शर्मा
द्वितीय पुरस्कार - कोलम्बिया इंस्टीट्यूट रायपुर के कुल्दीप, हिमांशु साहू और पिंटू
तृतीय पुरस्कार - बी आई टी रायपुर के आदित्य, मोहनीश कुमार साहू और शुभम साहू

कार्यक्रम के अंतिम पडाव में मौसम केन्द्र के वैज्ञानिक तथा मौसम सोसायटी के ट्रेजरर श्री एम गोपाल राव द्वारा आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापन, सामूहिक राष्ट्रगान तथा मौसम सोसायटी के फेलो डा. डी आर सिक्क को उंनके देवलोकगमन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

SD/-

(डा. प्रकाश खरे)
अध्यक्ष , भारतीय मौसम सोसायटी
रायपुर शाखा

रायपुर दिनांक 12.04.2017

मौसम केन्द्र रायपुर में विश्व मौसम दिवस 23 मार्च 2017 की कार्यक्रम सम्बन्धित चित्र

चित्र -1 : मंच में विराजमान अतिथिगण

चित्र-2 : मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन

चित्र-3 : उपस्थित गणमान्य एवं श्रोतागण

चित्र – 4 : मौसम केन्द्र रायपुर के सहभागी IMS सदस्यगण

चित्र-5 : मौस विज्ञान प्रदर्शनी का अतिथियों द्वारा अवलोकन

चित्र-6 : तकनीकी व्याख्यान द्वारा कार्यक्रम में प्रस्तुति

चित्र-7 : तकनीकी व्याख्यान एवं प्रासंगिक चर्चायें

चित्र-8 : मौसम क्विज प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं की भागीदारी

चित्र-9 : मौसम क्विज प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं की भागीदारी

विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित कवरेज

समझाई बादल बनने और बारिश होने की प्रोसेस

विश्व मौसम दिवस पर विशेषज्ञों ने दी बादलों की रोचक जानकारी

सिटी रिपोर्टर • क्यूमोलोनिंबल क्लाउड से गरज-चमक के साथ बारिश होती है। यह ऐसे बादल होते हैं जो छोटे सी जगह में सक्रिय होते हैं और बरसने के बाद मौसम साफ हो जाता है। दरअसल, यह लोकल सिस्टम के कारण बनने वाले बादल होते हैं। ऐसे ही बादलों के अन्य प्रकारों के बारे में लालपुर मौसम केंद्र में आयोजित कार्यशाला में जानकारी दी गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय मौसम सोसायटी की ओर से विश्व मौसम दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के महानिदेशक डॉ. एमएम हम्बर्डे ने भवनों की वास्तुकला में मौसम तत्वों की उपयोगिता बताई। डॉ. प्रकाश खरे ने 'नाउकस्टिंग की उपयोगिता' विषय पर जानकारी देते हुए बताया कि रेडार प्रेक्षणों से 6 घंटों का पूर्वानुमान किया ज सकता है। भारतीय मौसम सोसायटी रायपुर शाखा के सचिव व भिल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी राय के प्राचार्य डॉ. पीयूषकांत पांडे, इंदि गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जेएल चौध मौसम अनुभाग के प्रमुख डॉ. जे दास आदि उपस्थित थे। इस म पर क्विज कॉम्पिटीशन के विनर्स पुरस्कृत किया गया।

भवनों के वास्तुकला में मौसम की उपयोगिता बताई

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.cgpioneer.com

विश्व मौसम दिवस के मौके पर 23 मार्च को भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय मौसम सोसायटी रायपुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नालाजी के महानिदेशक डॉ. एमएम हम्बर्डे द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। डॉ. हम्बर्डे ने भवनों के वास्तुकला में मौसम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तापमान, वर्षा, आर्द्रता का प्रभाव वास्तुकला की योजना में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। मौसम केन्द्र रायपुर के निदेशक डॉ. प्रकाश खरे ने बताया कि वर्ष 1873 में गठित

अंतर्राष्ट्रीय मौसम संगठन का विश्व मौसम संगठन के रूप में पुनर्गठन 23 मार्च 1950 को किया गया था। वर्ष 1951 में इसे यूनाईटेड नेशंस का विशिष्ठ संगठन के रूप में स्वीकृत किया गया। तत्पश्चात 23 मार्च को प्रतिवर्ष विश्व मौसम दिवस का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष विश्व मौसम दिवस 2017 का विषय बादलों पर निगाह पर बताते हुए क्युमुलोनिम्बस (कपासी वर्षी) नामक बादल से गरज-चमक, आंधी आदि चलने से होने वाली आपदाजनित घटनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही 'नाउकस्टिंग की उपयोगिता' विषय पर अपने जनोपयोगी वैज्ञानिकी व्याख्यान मे डा खरे द्वारा रेडार प्रेक्षणों से 6 घण्टों की अवधि के लिये गरज-चमक सम्बन्धी पूर्वानुमान के मौसम सेवाओं मे शामिल किये जाने की जानकारी दी।

प्रचार-प्रसार में सोसायटी का महत्वपूर्ण योगदान

भारतीय मौसम सोसायटी रायपुर शाखा के सचिव व भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालाजी रायपुर के प्राचार्य डॉ. पीयूषकांत पांडे द्वारा मौसम संबंधी जानकारी व पूर्वानुमानों के प्रचार-प्रसार में सोसायटी का महत्वपूर्ण योगदान, वैज्ञानिक समुदाय के विद्वानों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया। विशेष अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विवि रायपुर के कृषि मौसम अनुभाग प्रमुख डॉ. जी के दास के अलावा जल संसाधन विभाग के अधिकारी श्री दानी, जयंत दास, उत्तम गवाडे, एम गोपाल राव मौसम केन्द्र के अधिकारी, कर्मचारियों भारतीय मौसम सोसायटी रायपुर शाखा के अन्य सदस्य शामिल रहे।

चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई

इस अवसर पर मौसम केन्द्र द्वारा मौसम संबंधी उपकरणों, प्रेक्षणों तथा पूर्वानुमानों की जानकारी के उपकरणों व विभिन्न प्रकार के बादलों के चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसके साथ ही विभिन्न कालेजों के छात्र-छात्राओं के मध्य मौसम विज्ञान सम्बन्धी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं- **प्रथम पुरस्कार** -बीआईटी रायपुर के अनुज प्रसाद, रूपांश जैन और यश शर्मा, **द्वितीय पुरस्कार** -कोलम्बिया इंस्टीट्यूट रायपुर के कुल्दीप, हिमांशु साहू और पिंटू , **तृतीय पुरस्कार** - बीआईटी रायपुर के आदित्य, मोहनीश कुमार साहू और शुभम साहू।

के विद्यार्थियों ने तैयार की ग्राउंड रिपोर्ट

भ्रमण में राजधानी पहुंचे छात्र

बालक दास बलिदान दिवस मनाने जुटेगा समाज

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.cgpioneer.com

गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति

लोगों को लू से बचाने पहली बार हीट वेव पर नजर रखेगा मौसम विभाग

फोरकास्ट डिवेलपमेंट प्रोग्राम के तहत प्रदेश के सबसे गर्म जांजगीर-चांपा समेत अन्य जिलों में की जाएगी मॉनिटरिंग, विमानों के लिए मिल सकेगा आगामी 6 घंटे के मौसम का सटीक पूर्वानुमान

विश्व मौसम दिवस आज

मौसम केंद्र के निदेशक से नईदुनिया की खास बातचीत

रायपुर। नईदुनिया रिपोर्टर

गर्मी में हीट वेव यानी गर्म लहरों से लोगों की मौत न हो, इसके लिए राज्य का मौसम केंद्र इस पर विशेष नजर रखेगा। गर्म लहरों की जानकारी आपदा प्रबंधन विभाग को दी जाएगी। विभाग स्थानीय प्रशासन को अवगत कराएगा, जिसके बाद लोगों के लिए बचाव की गाइड लाइन जारी की जाएगी। विश्व मौसम दिवस के अवसर पर नईदुनिया टीम ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के स्थानीय कार्यालय के निदेशक डॉ. प्रकाश खरे से विशेष बातचीत कर मौसम पर निगरानी रखने वाली नई तकनीक की जानकारी ली।

डॉक्टर खरे ने बताया- 2015 में भारत में लू से लगभग 25 सौ मौतें हुई थी। छत्तीसगढ़ में जांजगीर-चांपा का अधिकतम तापमान 49 डिग्री तक पहुंच जाता है। इसका मूल कारण होता है हीट वेव। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के निर्देशानुसार अब यहां की हीट वेव की मॉनिटरिंग की जाएगी। इसी तरह राजधानी और अन्य जिलों में घंटेवार रिपोर्ट तैयार की जाएगी। तापमान का कांटा खतरे के ऊपर पहुंचने से पहले ही स्थानीय प्रशासन को सूचना दी जाएगी, ताकि सार्वजनिक जगहों पर नल, शेड, रैनबसेरा जैसी व्यवस्था की जा सके।

स्थानीय आयोजनों में भी मिलेगा फायदा

लालपुर स्थित केंद्र सेटेलाइट के माध्यम से प्राप्त बादलों के चित्र, उनके अंदर की हवा की गति, दिशा और विभन्न ऊंचाइंयों में मौजूद आद्रता की जानकारी का विशलेषण कर मॉडल के माध्यम से छह घंटे का संभावित मौसम बताएगा। यह जानकारी विमानों के लिए अति उपयोगी होगी। इससे गर्मी में

अचानक चलने वाली तेज हवा, बरसात के मौसम में अचानक बारिश की जानकारी मिलेगी, जो स्थानीय आयोजन जैसे विवाह, समारोह या सार्वजनिक आयोजनों के लिए फायदेमंद होगी।

दिल्ली का हाई कंप्यूटिंग सिस्टम देगा जानकारी

डॉ. खरे ने बताया कि दिल्ली का हाई कंप्यूटिंग सिस्टम जानकारी प्रेषित करेगा। वहीं नागपुर स्थित रडार गरज-चमक के साथ बारिश की सटीक जानकारी देगा।

रडार का प्रस्ताव लंबित

केंद्र में लगभग 2 करोड़ रुपए का रडार लगाने का प्रस्ताव सालों से लंबित है। इसके लिए केंद्रीय एजेंसी निर्णय लेती है। इसके अलावा राज्य में सिर्फ 32 रेंजगेज मौजूद हैं जबकि आदर्श स्थिति के अनुसार इनकी संख्या 150 होनी चाहिए।

लालपुर स्थित केंद्र में भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी रायपुर शाखा के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को बादलों पर निगाह थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 11 बजे से छात्र-छात्राओं के लिए मौसम पर क्विज प्रतियोगिता होगी। बीआईटी के प्राचार्य डॉ. पियूषकांत पांडे नाउकास्टिंग की उपयोगिता पर व्याख्यान देंगे। आम लोगों को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक विभाग की वेधशाला का भ्रमण कराया जाएगा।

Various programmes mark celebration of 'World Meteorological Day 2017'

Guests and dignitaries inaugurating the World Meteorological Day programme

■ **Staff Reporter**
RAIPUR, Mar 25

INDIA Meteorological Department organised several programmes in association with Indian Meteorological Society, Raipur Branch to celebrate World Meteorological Day 2017 here at its Lalpur based office on Thursday.

'Understanding Clouds' is the theme of World Meteorological Day 2017 to highlight the enormous importance of clouds for weather climate and water. Clouds are central to weather observations and forecasts. It is one of the key uncertainties in the study of climate change and a better understanding is needed on how clouds affect the climate and a changing climate will affect clouds. Clouds also play a critical role in the water cycle and shaping the global distribution of water resources.

Managing Director of Chhattisgarh Council of Science and Technology Dr M M Hambarde was the chief guest and inaugurated the programme. While focusing on the importance of weather factor in architecture of a building, Dr M M Hambarde said that temperature, rainfall and moisture make a significant impact in architecture plan.

Earlier, former President of Indian Meteorological Society, Raipur Branch and Director of Meteorological Center Dr Prakash Khare welcomed the guest. In his address, Dr Khare focused on the formation of World Meteorological Organisation and approval by United Nations as special organization in 1951. Thus, 23rd March is observed as World Meteorological Day globally. He elaborated on the different kinds of clouds and informed about predictions related to thundershowers every six-hours through radar observations. He also detailed on heat wave conditions during the ongoing summer season.

Secretary of Indian Meteorological Society, Raipur Brancg and Principal of BIT Raipur Dr Piyush Kant Pandey focused on the significant contribution of the society in promotion of weather related datas and predictions, and called on the scholars from the scientific community to be a part of the organization.

Later quiz competition was organized and winners of first prize are Anuj Prasad, Rupansh Jain and Yash Sharma from BIT Raipur. Kuldeep, Himanshu and Pintu from Columbia Institute Raipur won second prize while the third prize winners are Aditya, Mohnish Kumar Sahu and Shubham Sahu of BIT Raipur.

Joint Secretary of the society and senior scientist from Indira Gandhi Krishi Vishvavidyalay Dr J L Choudhary proposed the vote of thanks. He also extended his best wishes to the participants representing different school and colleges for the quiz competitions.

Head of IGKV Agro Met Section Dr G K Das along with officials from Water Resources Department, Meteorological Center and Indian Meteorological Society.